भारत में उच्च शिक्षा के सकल नामांकन अनुपात की प्रगति का विश्लेषणात्मक अध्ययनः राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के संदर्भ में

सुविता कुमारी
प्रोफ़ेसर, शिक्षा विभाग, डी. ए. वी कॉलेज मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश, भारत
Correspondence Author: सुविता कुमारी

Received 1 Apr 2026; Accepted 12 May 2026; Published 29 May 2026
DOI: https://doi.org/10.64171/JSRD.5.S3.22-28

सारांश
प्रस्तुत शोध पत्र भारत में उच्च शिक्षा के सकल नामांकन अनुपात (GER) की 2014-15 से 2021-22 तक की प्रगति का विश्लेषण करता है। अध्ययन राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 द्वारा निर्धारित 2035 तक 50 प्रतिशत GER के लक्ष्य के संदर्भ में किया गया है। शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रकाशित AISHE की वार्षिक रिपोर्टों के द्वितीयक आंकड़ों के विश्लेषण से ज्ञात होता है कि भारत का कुल GER 2014-15 के 23.7 से बढ़कर 2021-22 में 28.4 हो गया - सात वर्षों में 4.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। अध्ययन लैंगिक समानता, SC/ST वर्गों की भागीदारी तथा 2035 के लक्ष्य की दिशा में वर्तमान प्रगति की गहन समीक्षा प्रस्तुत करता है। निष्कर्ष यह दर्शाते हैं कि जेण्डर पैरिटी इण्डेक्स (GPI) 2021-22 में 1.01 पहुंच गया है; तथापि SC एवं ST वर्गों का GER राष्ट्रीय औसत से अभी भी क्रमशः 2.5 और 7.2 प्रतिशत कम है। 2035 तक NEP-2020 के लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु वर्तमान वृद्धि दर को कम से कम तीन गुना तीव्र करना आवश्यक है।

मुख्य शब्दः सकल नामांकन अनुपात (GER), उच्च शिक्षा, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, AISHE, लैंगिक समानता, सामाजिक समावेश, SC/ST नामांकन, समावेशी शिक्षा।

1. परिचय

शिक्षा निरन्तर चलने वाली प्रक्रिया है जिसका मुख्य उद्देश्य देश, राष्ट्र एवं समाज की आवश्यकताओं की पूर्ति करना है। इसलिए शिक्षा को सामाजिक व राष्ट्रीय विकास का आधार माना जाता है। किसी भी राष्ट्र की शैक्षिक प्रगति को मापने के लिए सकल नामांकन अनुपात (GER) एक प्रमुख सांख्यिकीय संकेतक है। GER से यह पता चलता है कि 18-23 वर्ष आयुवर्ग के कुल युवाओं में से कितने छात्र-छात्राएं उच्च शिक्षा संस्थानों में नामांकित हैं। यह संकेतक उच्च शिक्षा की उपलब्धता, पहुंच और भागीदारी में हुई प्रगति को दर्शाता है। देश में उच्च शिक्षा की प्रगति के संदर्भ में शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रकाशित ऑल इंडिया सर्वे ऑन हायर एजुकेशन (AISHE) के आंकड़ों से पता चलता है कि 2014-15 में भारत की उच्च शिक्षा का सकल नामांकन अनुपात 23.7 प्रतिशत था, जबकि 2021-22 में यही अनुपात बढ़कर 28.4 प्रतिशत हो गया (Ministry of Education, 2022)।

शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की रिपोर्ट के आंकड़ों से यह भी पता चलता है कि उच्च शिक्षा के क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है। 2021-22 में जेण्डर पैरिटी इण्डेक्स (GPI) 1.01 दर्ज किया गया, जो 2014-15 के 0.94 की तुलना में उल्लेखनीय सुधार है। इसी के साथ अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति वर्गों के विद्यार्थियों की भागीदारी में भी सुधार हुआ है। भारत सरकार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को लागू किया, जिसका मुख्य उद्देश्य 2035 तक उच्च शिक्षा में GER को 50 प्रतिशत तक ले जाना है। 2021-22 की रिपोर्ट के अनुसार वर्तमान GER 28.4 प्रतिशत है, अर्थात् लक्ष्य प्राप्ति के लिए अभी भी 21.6 प्रतिशत की वृद्धि की आवश्यकता है। इसलिए उच्च शिक्षा के सकल नामांकन अनुपात का व्यापक विश्लेषण करना अत्यन्त आवश्यक है।

2. सैद्धान्तिक आधार

उच्च शिक्षा के सकल नामांकन अनुपात को बढ़ाने के लिए तीन पहलुओं पर विशेष बल देना होगा:

2.1 समावेशी शिक्षा

समावेशी शिक्षा का यह पहलू दर्शाता है कि शिक्षा समाज के सभी वर्गों को समान रूप से प्रदान की जानी चाहिए, जिससे सभी वर्गों के लोग शिक्षा प्राप्त कर सकें। सामाजिक, आर्थिक व क्षेत्रीय असमानताएं शिक्षा की प्रगति को प्रभावित करती हैं। GER में वृद्धि से यह पता चलता है कि शिक्षा सभी तक पहुंच रही है।

2.2 शैक्षिक अवसरों की समानता

यह पक्ष दर्शाता है कि शिक्षा में भागीदारी सभी सामाजिक वर्गों — अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अल्पसंख्यक वर्ग, सामान्य वर्ग — तथा महिला शिक्षा की प्रगति से जानी जाए। शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, 2021-22 की रिपोर्ट यह दर्शाती है कि जेण्डर पैरिटी इण्डेक्स 1.01 है, जो उच्च शिक्षा में महिला भागीदारी की प्रगति को इंगित करता है।

2.3 शिक्षा का विस्तार

यह पहलू दर्शाता है कि किसी भी देश का विकास तभी सम्भव है जब उस देश की शिक्षा प्रणाली का विकास हो। भारत में 2014-15 में उच्च शिक्षा का GER 23.7 प्रतिशत था जो 2021-22 में 28.4 प्रतिशत हो गया। यह तीनों पहलू NEP 2020 के लक्ष्य की नींव निर्मित करते हैं यही इस शोध का सैद्धान्तिक आधार हैं।

3. साहित्य की समीक्षा

उच्च शिक्षा में GER की प्रगति पर उपलब्ध साहित्य का विश्लेषण तीन प्रमुख धाराओं में किया जा सकता है: (क) राष्ट्रीय नीति एवं सरकारी

डेटा, (ख) सामाजिक समता एवं लैंगिक असमानता, तथा (ग) क्षेत्रीय असमानता एवं डिजिटल विभाजन।

राष्ट्रीय नीति एवं सरकारी डेटा की दृष्टि से, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रकाशित AISHE 2021-22 (Ministry of Education, 2022) इस अध्ययन का प्राथमिक डेटा स्रोत है। इस रिपोर्ट के अनुसार भारत का कुल GER 2014-15 के 23.7 से बढ़कर 2021-22 में 28.4 हो गया और महिला GER ने पुरुष GER को पार करते हुए GPI 1.01 प्राप्त किया; तथापि सामाजिक श्रेणियों के समूहों के बीच असमानता अभी भी बनी हुई है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (Ministry of Education, 2020) ने 2035 तक उच्च शिक्षा में 50 प्रतिशत GER का महत्त्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है और बहुविषयक संस्थानों, लचीले पाठ्यक्रम तथा डिजिटल शिक्षा पर विशेष बल दिया है; किन्तु इस लक्ष्य की प्राप्ति हेतु पर्याप्त वित्तीय एवं संस्थागत निवेश अपरिहार्य है। AISHE 2020-21 (Ministry of Education, 2022) के अनुसार 2019-20 में GER 25.6 प्रतिशत था (2011 जनगणना-आधारित संशोधित प्रक्षेपण), जो 2020-21 में बढ़कर 27.3 प्रतिशत हो गया।

अन्तर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में, UNESCO (2021) की Global Education Monitoring Report यह प्रतिपादित करती है कि उच्च शिक्षा में प्रगति आर्थिक विकास और सामाजिक गतिशीलता को प्रत्यक्ष रूप से बढ़ावा देती है; परन्तु विकासशील देशों में शिक्षा के मात्रात्मक विस्तार के साथ गुणवत्ता और समानता सुनिश्चित करना एक जटिल चुनौती बनी हुई है। इसी संदर्भ में विश्व बैंक (World Bank, 2018) की World Development Report भी नामांकन वृद्धि को अपर्याप्त मानती है और शिक्षा की गुणवत्ता एवं अधिगम परिणामों को शिक्षा प्रणाली के वास्तविक सुधार का प्रमुख मापदण्ड मानती है। ये दोनों अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन इस तथ्य को रेखांकित करते हैं कि केवल GER में वृद्धि ही पर्याप्त नहीं है, वरन् शिक्षा की समग्र गुणवत्ता में सुधार भी उतना ही अनिवार्य है।

सामाजिक समता एवं लैंगिक असमानता के क्षेत्र में किए गए अध्ययन यह दर्शाते हैं कि STEM क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी अभी भी असमान है। Singh एवं Singh (2024) ने AISHE के आंकड़ों का उपयोग करते हुए पाया कि सामाजिक एवं आर्थिक कारक उच्च शिक्षा में महिलाओं की भागीदारी को महत्त्वपूर्ण रूप से प्रभावित करते हैं और STEM क्षेत्रों में लैंगिक असमानता कई राज्यों में अभी भी विद्यमान है। Das एवं Singhal (2021) ने ग्रामीण भारत में शिक्षा के लिंग-अन्तर का विश्लेषण करते हुए निष्कर्ष निकाला कि सामाजिक मान्यताएं और आर्थिक परिस्थितियां मिलकर शिक्षा में लैंगिक विषमता को बनाए रखती हैं। इन अध्ययनों से यह स्पष्ट होता है कि GER में सुधार के बावजूद उपवर्गीय असमानताओं पर विशेष नीतिगत ध्यान देना आवश्यक है।

क्षेत्रीय असमानता एवं डिजिटल विभाजन के संदर्भ में, Das (2023) ने शहरी-ग्रामीण शैक्षिक असमानता का विश्लेषण करते हुए यह स्पष्ट किया कि ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा के संसाधन और अवसर शहरी क्षेत्रों की तुलना में कम होने के कारण उच्च शिक्षा में ग्रामीण जनता की भागीदारी सीमित है। Banerjee et al. (2021) ने भारत में डिजिटल विभाजन का अध्ययन करते हुए पाया कि सामाजिक-आर्थिक असमानता के कारण डिजिटल संसाधनों तक पहुंच में व्यापक अन्तर है, जो NEP 2020 के डिजिटल शिक्षा के लक्ष्य को प्रत्यक्षतः प्रभावित करता है। इसके अतिरिक्त, UDISE+ रिपोर्ट (2022-23) यह इंगित करती है कि प्राथमिक स्तर पर नामांकन उच्च होने के बावजूद माध्यमिक से उच्च शिक्षा तक का संक्रमण दर एक महत्त्वपूर्ण संरचनात्मक चुनौती है।

साहित्य अन्तराल

उपर्युक्त साहित्य की समीक्षा से स्पष्ट होता है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के लागू होने के पश्चात् GER की प्रगति पर केन्द्रित तुलनात्मक अध्ययन अत्यन्त सीमित हैं। SC/ST एवं लैंगिक GER के संयुक्त तुलनात्मक विश्लेषण पर शोध अपेक्षाकृत कम हैं। अधिकांश अध्ययन या तो नामांकन के मात्रात्मक पहलुओं पर केन्द्रित हैं अथवा गुणवत्ता पर — किन्तु NEP 2020 के 50 प्रतिशत GER लक्ष्य की प्राप्ति की दिशा में एकीकृत प्रगति-विश्लेषण का अभाव है। प्रस्तुत शोध इसी अन्तराल को प्रदर्शित करता है।

4. शोध उद्देश्य

प्रस्तुत शोध पत्र निम्नलिखित उद्देश्यों के आधार पर सम्पन्न किया गया है:

- 2014-15 से 2021-22 तक भारत में उच्च शिक्षा के सकल नामांकन अनुपात की प्रगति का विश्लेषण करना।
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के लैंगिक आधार पर सकल नामांकन अनुपात परिवर्तन का विश्लेषण करना।
- सामाजिक वर्ग (SC/ST) के आधार पर सकल नामांकन अनुपात की प्रगति का विश्लेषण करना।
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के 2035 के 50% प्रतिशत सकल नामांकन अनुपात के लक्ष्य की दिशा में वर्तमान प्रगति का विश्लेषण करना।

5. शोध परिसीमाएं

- इस शोध का विश्लेषण 2014-15 से 2021-22 तक उच्च शिक्षा के GER के विश्लेषण तक सीमित है।
- यह अध्ययन केवल मात्रात्मक नामांकन के विश्लेषण तक सीमित है।
- GER की गणना 2011 जनगणना-आधारित जनसंख्या प्रक्षेपण के आधार पर की गई है; भिन्न प्रक्षेपण आधार पर आंकड़े भिन्न हो सकते हैं।

6. अनुसंधान पद्धति

यह शोध वर्णनात्मक उपागम पर आधारित है। इस शोध का मुख्य उद्देश्य भारत में उच्च शिक्षा के सकल नामांकन अनुपात की प्रगति का विश्लेषण करना है। यह शोध मात्रात्मक प्रकृति का है क्योंकि इसमें संख्यात्मक आंकड़ों का विश्लेषण किया गया है।

यह अध्ययन भारत के सभी उच्च शिक्षा संस्थानों में अध्यनरत 18-23 वर्ष आयु के विद्यार्थियों के सकल नामांकन अनुपात को शोध की जनसंख्या मानता है। आंकड़ों के संकलन के लिए AISHE की रिपोर्ट 2014-15 से 2021-22 तक के राष्ट्रीय स्तर के आंकड़ों को राष्ट्रीय शैक्षिक आँकड़ा आधार (National Educational Database) के रूप में लिया गया है। यह AISHE एक sample survey नहीं, वरन् सम्पूर्ण देश के उच्च शिक्षा संस्थानों का सार्वभौमिक सर्वेक्षण है।

6.1 सूचनाओं का संकलन एवं विश्लेषण

इस अध्ययन में द्वितीयक आंकड़ों का प्रयोग किया गया जो निम्न स्रोतों से प्राप्त हैं: All India Survey on Higher Education (AISHE) Report, Ministry of Education, Government of India; National Education Policy 2020। आंकड़ों के विश्लेषण हेतु निम्नलिखित विधियों का उपयोग किया गया:

- प्रतिशत विश्लेषण — वर्षवार GER के मूल्यों की गणना।
- तुलनात्मक विश्लेषण — विभिन्न सामाजिक वर्गों एवं लिंग-आधारित GER की तुलना।
- प्रवृत्ति विश्लेषण (Trend Analysis) — 2014-15 से 2021-22 तक GER की दिशा और गति का अध्ययन।
- ग्राफीय विश्लेषण (Graphical Analysis) — डेटा को रेखाचित्रों एवं स्तम्भ-चित्रों द्वारा प्रदर्शित करना।

7. आंकड़ों का विश्लेषण एवं व्याख्या

प्राप्त आंकड़ों के विश्लेषण से ज्ञात हुआ है कि 2014-15 से 2021-22 तक भारत का उच्च शिक्षा GER 23.7 से बढ़कर 28.4 प्रतिशत हो गया (Ministry of Education, 2022)। रिपोर्ट से प्राप्त सूचनाओं का वर्गीकरण कर सारणी एवं चित्रों के रूप में प्रस्तुत किया गया है।

तालिका 1: भारत में 2014-2022 तक वार्षिक GER की प्रगति

वर्ष (Year)	GER (%)
2014-15	23.7
2015-16	23.7
2016-17	24.1
2017-18	24.6
2018-19	24.9
2019-20	25.6
2020-21	27.3
2021-22	28.4

स्रोत: AISHE 2021-22, Ministry of Education, Government of India

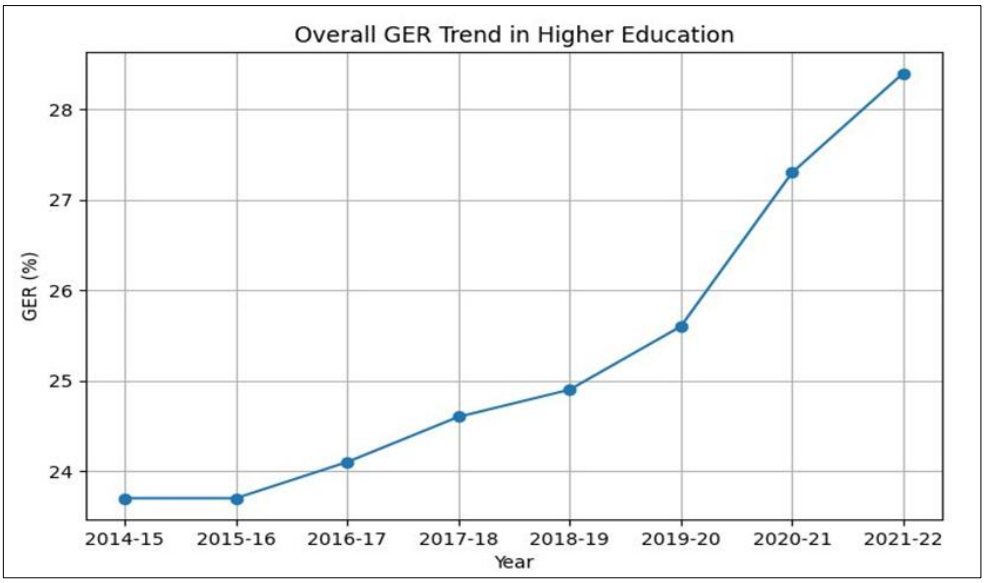

आलेख 1: भारत में 2014-15 से 2021-22 तक उच्च शिक्षा में GER की प्रवृत्ति (Overall GER Trend) स्रोत: AISHE 2021-22, Ministry of Education, Government of India

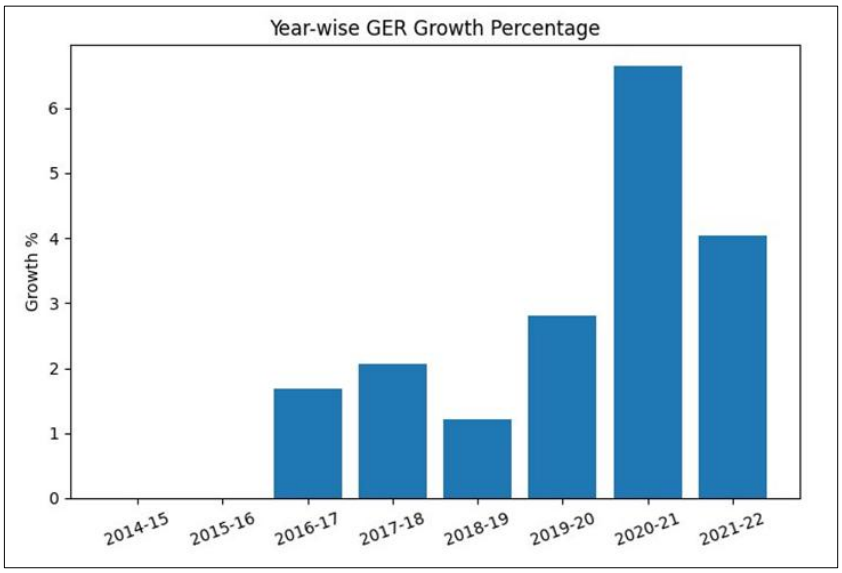

आलेख 2

जब भारत में उच्च शिक्षा स्तर पर सकल नामांकन अनुपात की प्रगति का विश्लेषण किया गया तो AISHE 2021-22 की रिपोर्ट (Ministry of Education, 2022) से प्राप्त आंकड़ों से पता चलता है कि भारत का उच्च शिक्षा में GER जो वर्ष 2014-15 में 23.7 था, वह वर्ष 2021-

22 में बढ़कर 28.4 हो गया। इससे स्पष्ट है कि वर्ष 2014 से वर्ष 2022 तक लगभग 4.7 प्रतिशत अंक की वृद्धि हुई है। चित्र-2 से यह भी स्पष्ट है कि 2020-21 में वृद्धि दर सर्वाधिक (6.6%) रही, जिसका आंशिक कारण COVID-19 के कारण ऑनलाइन एवं दूरस्थ नामांकन में वृद्धि भी हो सकती है।

तालिका 2: सामाजिक वर्गों के आधार पर GER की प्रगति

सामाजिक वर्ग (Category)	GER 2014-15	GER 2021-22
अनुसूचित जाति (SC)	18.9	25.9
अनुसूचित जनजाति (ST)	13.5	21.2
राष्ट्रीय औसत (Overall)	23.7	28.4

स्रोत: AISHE 2021-22, Ministry of Education, Government of India

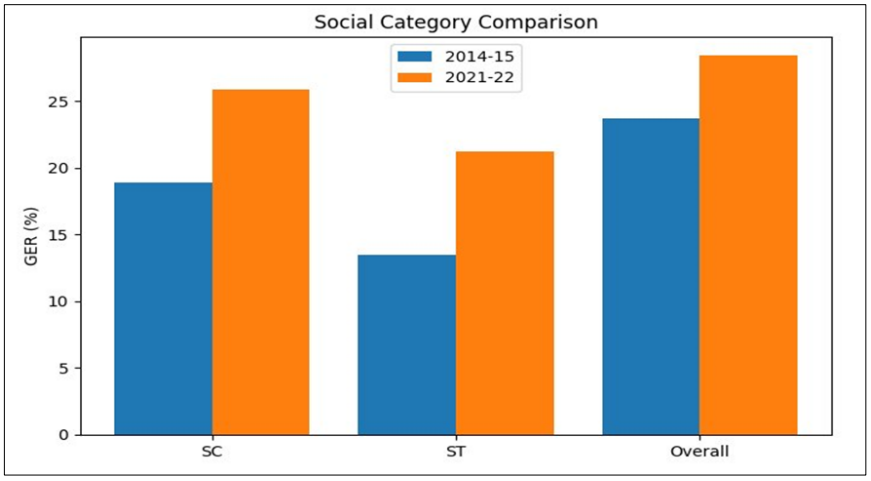

आलेख 3

सामाजिक वर्गों के आधार पर GER की तुलना — 2014-15 बनाम 2021-22 स्रोत: AISHE 2021-22, Ministry of Education, Government of India

सामाजिक वर्गों के आधार पर विश्लेषण करने पर AISHE 2021-22 (Ministry of Education, 2022) से प्राप्त आंकड़ों से पता चलता है कि अनुसूचित जाति (SC) का GER 2014-15 के 18.9 से बढ़कर 2021-22 में 25.9 हो गया, वहीं अनुसूचित जनजाति (ST) का GER 13.5 से बढ़कर 21.2 हो गया। यद्यपि दोनों वर्गों के GER में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, तथापि ये राष्ट्रीय औसत 28.4 से क्रमशः 2.5 और 7.2 प्रतिशत कम हैं। इससे स्पष्ट होता है कि शिक्षा में सामाजिक समावेश की दिशा में प्रगति हो रही है, परन्तु असमानता अभी भी यथेष्ट है।

तालिका-3: लैंगिक आधार पर उच्च शिक्षा में GER की प्रगति

वर्ष	पुरुष GER	महिला GER
2014-15	24.5	22.9
2020-21	27.0	27.9
2021-22	28.3	28.5

स्रोत: AISHE 2021-22, Ministry of Education, Government of India

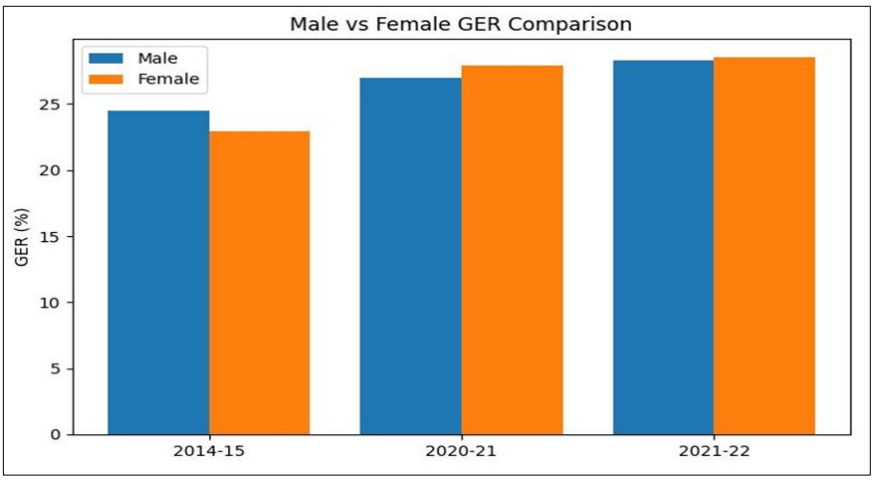

आलेख 4

पुरुष एवं महिला GER की तुलना — 2014-15, 2020-21, 2021-22 (Male-Female Cluster Comparison) स्रोत: AISHE 2021-22, Ministry of Education, Government of India

जेण्डर के आधार पर AISHE 2021-22 (Ministry of Education, 2022) के आंकड़ों का विश्लेषण करने पर पाया गया कि उच्च शिक्षा में 2014-15 में पुरुष GER 24.5 और महिला GER 22.9 था; वहीं 2021-22 में पुरुष वर्ग का GER 28.3 तथा महिला वर्ग का GER 28.5 रहा। इससे स्पष्ट है कि है कि 2017-18 से महिला GER ने पुरुष GER को पार कर लिया है और यह सकारात्मक वृद्धि 2021-22 तक निरन्तर बनी रही। GPI का 1.01 होना ऐतिहासिक दृष्टि से महत्त्वपूर्ण शैक्षिक उपलब्धि है।

तालिका 4: वर्ष 2035 तक 50 प्रतिशत GER लक्ष्य की दिशा में प्रगति

श्रेणी	2014-15	2021-22	वृद्धि	NEP 2035 लक्ष्य
पुरुष (Male)	24.5	28.3	+3.8	50.0
महिला (Female)	22.9	28.5	+5.6	50.0
SC	18.9	25.9	+7.0	50.0
ST	13.5	21.2	+7.7	50.0
कुल GER (Overall)	23.7	28.4	+4.7	50.0

स्रोत: AISHE 2021-22, Ministry of Education, Government of India; NEP 2020

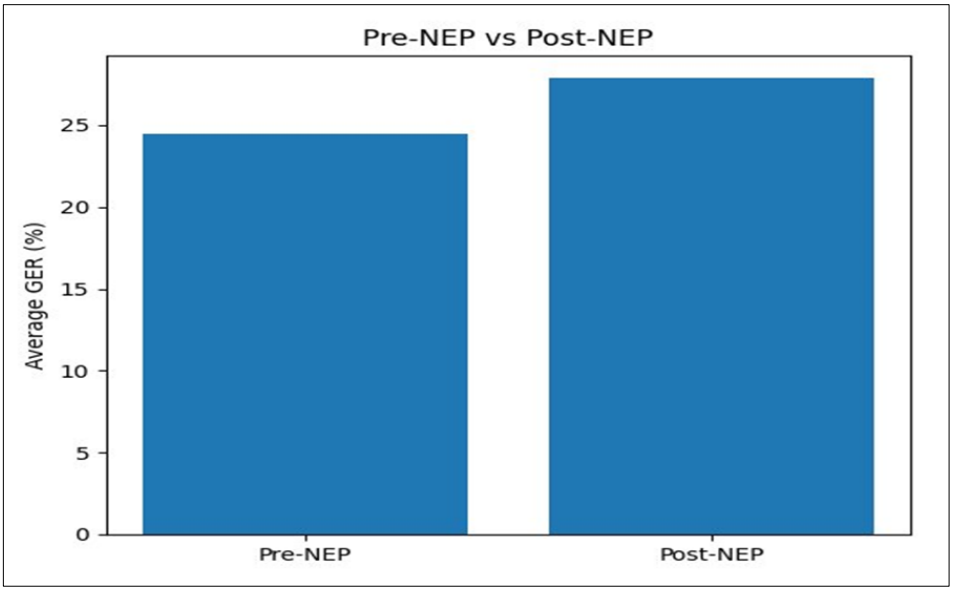

आलेख 5

Pre-NEP बनाम Post-NEP औसत GER की तुलना स्रोत: AISHE 2021-22, Ministry of Education, Government of India; NEP 2020

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (Ministry of Education, 2020) द्वारा निर्धारित वर्ष 2035 तक उच्च शिक्षा में 50 प्रतिशत सकल नामांकन अनुपात के लक्ष्य की प्रगति का विश्लेषण करने पर स्पष्ट होता है कि 2021-22 में कुल GER 28.4 प्रतिशत है, जिसका अर्थ है कि लक्ष्य प्राप्ति के लिए अभी भी 21.6 प्रतिशत की वृद्धि आवश्यक है। Pre-NEP (2014-15 से 2019-20) के छः वर्षों में केवल 1.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि Post-NEP (2020-21 से 2021-22) के दो वर्षों में 2.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जो एक सकारात्मक संकेत है। तथापि 2035 तक के शेष 13 वर्षों में 21.6 प्रतिशत की वृद्धि के लिए प्रति वर्ष औसतन 1.66 प्रतिशत की वृद्धि अपेक्षित है — जो अभी तक की किसी भी वर्ष की औसत वृद्धि से काफी अधिक है।

8. निष्कर्ष (Conclusion)

इस अध्ययन के आधार पर यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि 2014-15 से 2021-22 की अवधि में भारत का उच्च शिक्षा GER 23.7 प्रतिशत से बढ़कर 28.4 प्रतिशत तक पहुंचा है, जो एक क्रमिक किन्तु अपर्याप्त वृद्धि है। लैंगिक दृष्टि से 2021-22 में GPI 1.01 पाया गया, जो महिलाओं की उच्च शिक्षा में भागीदारी की ऐतिहासिक उपलब्धि है। सामाजिक श्रेणियों के आधार पर अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति समूहों के GER में भी वृद्धि हुई है, लेकिन वे राष्ट्रीय औसत से क्रमशः 2.5 और 7.2 प्रतिशत कम हैं — यह असमानता नीति-निर्माताओं के लिए गम्भीर चिन्ता का विषय है। NEP लागू होने के बाद GER की वृद्धि दर में सुधार के संकेत हैं, किन्तु यह वृद्धि 2035 के 50 प्रतिशत लक्ष्य से बहुत दूर है। वर्तमान औसत वार्षिक वृद्धि दर (लगभग 0.67 प्रतिशत) से 2035 तक अधिकतम 32-33 प्रतिशत GER ही प्राप्त हो सकेगा, जो लक्ष्य से लगभग 17-18 प्रतिशत कम होगा। माध्यमिक शिक्षा से उच्च शिक्षा तक का संक्रमण अभी भी सबसे बड़ी संरचनात्मक चुनौती है।

अतः 2035 के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए संस्थागत विस्तार, सामाजिक समावेशन, क्षेत्रीय संतुलन, डिजिटल अवसंरचना तथा शिक्षा की गुणवत्ता — इन पांचों आयामों पर एकसाथ प्रभावी नीतिगत हस्तक्षेप आवश्यक है।

9. सुझाव

- छात्रवृत्ति एवं वित्तीय सहायता का विस्तार: SC, ST एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के छात्रों के लिए केन्द्र एवं राज्य सरकारों द्वारा विशेष छात्रवृत्ति कार्यक्रमों का विस्तार किया जाना चाहिए, जिससे ड्रॉपआउट दर में कमी आए।

- ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में उच्च शिक्षा संस्थानों की स्थापना: क्षेत्रीय असमानता दूर करने के लिए आकांक्षी जिलों में नए महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय स्थापित किए जाने चाहिए।
- डिजिटल अवसंरचना का विकास: ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट कनेक्टिविटी, डिजिटल उपकरण तथा ऑनलाइन शिक्षा प्लेटफॉर्म की पहुंच बढ़ाई जाए, जिससे दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से नामांकन दर में वृद्धि हो सके।
- माध्यमिक से उच्च शिक्षा तक संक्रमण में सुधार: कक्षा 11-12 स्तर पर करियर परामर्श, ब्रिज कोर्स एवं प्रवेश परीक्षा की तैयारी में विशेष सहायता प्रदान की जाए।
- महिला उच्च शिक्षा को प्रोत्साहन: महिला छात्रावासों की संख्या बढ़ाई जाए; STEM क्षेत्रों में महिलाओं को विशेष प्रोत्साहन देने वाली नीतियां लागू की जाएं।
- SC/ST Academic Support Programme: राष्ट्रीय स्तर पर अनुसूचित जाति एवं जनजाति के छात्रों के लिए विशेष कोचिंग, मेंटरशिप एवं आवासीय सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं, जिससे उनका GER राष्ट्रीय औसत के निकट पहुंचे।
- नियमित प्रगति मूल्यांकन: NEP 2020 के लक्ष्य की दिशा में प्रत्येक पांच वर्ष में Mid-Term Review की व्यवस्था की जाए, जिससे नीतिगत हस्तक्षेप समयानुसार किया जा सके।

संदर्भ सूची

1. Mishra L, Gupta T, Shree A. Online teaching-learning in higher education during lockdown period of COVID-19 pandemic. Int J Educ Res Open. 2020;1:100012. doi:10.1016/j.ijedro.2020.100012.
2. Das S. Inequality in educational attainment: urban-rural comparison in the Indian context. Int J Law Manag Humanit. 2023;6(4):2189-2208. doi:10.10000/IJLMH.115631.
3. Das U, Singhal K. Solving it correctly: prevalence and persistence of gender gap in basic mathematics in rural India. Int J Educ Dev. 2023;96:102703. doi:10.1016/j.ijedudev.2022.102703.
4. Ministry of Education, Government of India. National Education Policy 2020 [Internet]. New Delhi: Department of Higher Education, Ministry of Education; 2020 [cited 2026 Jun 17]. Available from: https://www.education.gov.in/sites/upload_files/mhrd/files/NEP_Final_English_0.pdf
5. Ministry of Education, Government of India. All India Survey on Higher Education (AISHE) 2019-20 [Internet]. New Delhi: Statistics Division, Department of Higher Education; 2021 [cited 2026 Jun 17]. Available from: https://aishe.gov.in
6. Ministry of Education, Government of India. All India Survey on Higher Education (AISHE) 2020-21 [Internet]. New Delhi: Statistics Division, Department of Higher Education; 2022 [cited 2026 Jun 17]. Available from: https://aishe.gov.in
7. Ministry of Education, Government of India. All India Survey on Higher Education (AISHE) 2021-22 [Internet]. New Delhi: Statistics Division, Department of Higher Education; 2023 [cited 2026 Jun 17]. Available from: https://aishe.gov.in
8. Press Information Bureau. Ministry of Education releases All India Survey on Higher Education (AISHE) 2021-22 [Internet]. New Delhi: Government of India; 2024 Jan [cited 2026 Jun 17]. Available from: https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=1999713
9. Singh JK, Singh O. Gender disparities in STEM education in India: a comparative study of socioeconomic factors. Int Educ Res J [Internet]. 2025;11(7) [cited 2026 Jun 17]. Available from: https://ierj.in/journal/index.php/ierj/article/view/4302. doi:10.5281/zenodo.16735708.
10. UNESCO. Global Education Monitoring Report 2021-22: non-state actors in education [Internet]. Paris: UNESCO Publishing; 2021 [cited 2026 Jun 17]. Available from: https://en.unesco.org/gem-report/2021
11. Unified District Information System for Education Plus (UDISE+). *UDISE+ annual report 2022-23* [Internet]. New Delhi: Department of School Education and Literacy, Ministry of Education; 2023 [cited 2026 Jun 17]. Available from: https://udiseplus.gov.in
12. World Bank. World Development Report 2018: learning to realize education's promise [Internet]. Washington (DC): World Bank; 2018 [cited 2026 Jun 17]. Available from: https://www.worldbank.org/en/publication/wdr2018
13. Mehta AC. Trends analysis of gross enrolment ratio (GER) in higher education in India [Internet]. New Delhi: Education for All in India; 2024 [cited 2026 Jun 17]. Available from: https://educationforallinindia.com/trends-analysis-of-gross-enrolment-ratio-ger-in-higher-education-in-india-2024/
14. Ministry of Finance, Government of India. *Economic Survey 2023-24:* education sector overview [Internet]. New Delhi: Ministry of Finance; 2024 [cited 2026 Jun 17]. Available from: https://www.indiabudget.gov.in/economicsurvey/
15. Association of Indian Universities. Indian Universities Handbook 2022 [Internet]. New Delhi: AIU; 2022 [cited 2026 Jun 17]. Available from: https://www.aiu.ac.in/publications.asp.